

पाठ 12 संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन)

"भदंत आनंद कौसल्यायन" का जीवन परिचय एवं साहित्यिक योगदान

जीवन परिचय (1905-1988)

1. जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:
 - जन्म: 22 जनवरी 1905 को पंजाब के अमृतसर जिले के सोहाना गाँव में।
 - मूल नाम: हरनाम दास।
 - शिक्षा: लाहौर के राष्ट्रीय कॉलेज से संस्कृत एवं पालि भाषा में अध्ययन।
2. बौद्ध धर्म की ओर झुकाव:
 - 1928 में महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं से प्रभावित होकर बौद्ध भिक्षु बने।
 - दीक्षा: भदंत आनंद कौसल्यायन नाम धारण किया।
3. समाज सुधारक के रूप में:
 - डॉ. भीमराव अंबेडकर के नवबौद्ध आंदोलन से जुड़े।
 - हिंदी भाषा एवं दलित चेतना के प्रचार में अग्रणी भूमिका।
4. मृत्यु: 22 जून 1988

साहित्यिक योगदान

1. भाषा एवं शैली:
 - सरल, प्रवाहमयी हिंदी जिसमें बौद्ध दर्शन और सामाजिक समता के विचार समाहित हैं।
2. प्रमुख रचनाएँ:
 - यात्रा संस्मरण:
 - भारत-भ्रमण
 - रूस में पच्चीस दिन
 - बौद्ध दर्शन:
 - बौद्ध धर्म: दर्शन और अभ्यास
 - विपश्यना: साधना और विज्ञान
 - आत्मकथा:
 - मेरी जीवन-यात्रा
3. विशेषताएँ:
 - यात्रा साहित्य को नई दिशा दी।
 - हिंदी एवं पालि भाषाओं में 100 से अधिक पुस्तकें लिखीं।
 - "हिंदी प्रचारक सम्मान" (1981) एवं "साहित्य वाचस्पति" (1983) जैसे पुरस्कारों से सम्मानित।
4. समाज पर प्रभाव:
 - बौद्ध धर्म के मानवतावादी स्वरूप को जन-जन तक पहुँचाया।
 - हिंदी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाने में योगदान।

महत्वपूर्ण तथ्य

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

- "हिंदी-बौद्ध साहित्य के पितामह" कहे जाते हैं।
- दलित लेखन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।
- अंबेडकर के धर्मांतर आंदोलन में सक्रिय सहयोग।

प्रसिद्ध उद्धरण: "धर्म का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना है, देवता नहीं।"

निष्कर्ष

भदंत कौसल्यायन ने हिंदी साहित्य को बौद्ध दर्शन की गहराई एवं सामाजिक न्याय की भावना से समृद्ध किया। उनका लेखन मानवीय मूल्यों एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अनूठा संगम है।

प्रश्न – अभ्यास

प्रश्न 1. लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है ?

उत्तर 1:

- लेखक के अनुसार, 'सभ्यता' और 'संस्कृति' शब्दों की सही समझ अब तक इसलिये विकसित नहीं हो पाई है क्योंकि लोग इन शब्दों का बहुत बार उपयोग तो करते हैं, लेकिन इनका गहन अध्ययन और विश्लेषण नहीं करते।
- इसके अलावा, लोग इन शब्दों को अपनी सोच और दृष्टिकोण के अनुसार अलग-अलग तरीके से परिभाषित करते हैं।

प्रश्न 2. आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे ?

उत्तर 2-

- आग की खोज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है, क्योंकि इसने मानव जीवन की शैली में क्रांतिकारी परिवर्तन किया।
- इस खोज ने मानव सभ्यता के विकास की दिशा में नई राह खोली।
- इसके पीछे मुख्य प्रेरणा के स्रोत संभवतः दो थे—पेट की भूख को शांत करने की आवश्यकता और ठंड से बचाव की इच्छा।

प्रश्न 3. वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ?

उत्तर 3-

- 'संस्कृत व्यक्ति' वह कहा जा सकता है, जो अपनी बुद्धि और विवेक के माध्यम से किसी नए तथ्य का खुलासा करता है।
- इसका मतलब यह है कि वह व्यक्ति, जिसने अपनी विशेष क्षमता से किसी नई चीज़ का आविष्कार किया हो, वह ही असल में संस्कृत व्यक्ति कहलाने का हकदार है।

प्रश्न 4. न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन-से तर्क दिए गए हैं ? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों

उत्तर 4: • न्यूटन को 'संस्कृत मानव' कहे जाने का कारण यह है कि उसने अपनी अद्वितीय सोच और बुद्धि के माध्यम से गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। इसलिए, उसे इस उपाधि का योग्य माना गया।

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

• हालांकि, न्यूटन के सिद्धांतों और अन्य ज्ञान की गहरी समझ रखने वाले लोग भी 'संस्कृत मानव' नहीं कहला सकते, क्योंकि उन्होंने स्वयं कोई महत्वपूर्ण आविष्कार नहीं किया है, बल्कि वे पहले से प्राप्त ज्ञान का अध्ययन करते हैं।

• इस प्रकार, वे सभ्य जरूर हो सकते हैं, परंतु न्यूटन के समान 'संस्कृत मानव' नहीं कहे जा सकते।

प्रश्न 5. किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा ?

उत्तर 5-

• मनुष्य ने अपने शरीर को ठंडा या गर्म होने से बचाने और उसे सजाने-संवारने के लिए सुई-धागे का आविष्कार किया होगा।

• सुई-धागे की मदद से कपड़ों के टुकड़ों को जोड़कर उसने वस्त्र बनाए होंगे, जिससे वह अपने शरीर को ढककर अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सका होगा।

प्रश्न 6. "मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।" किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब-

(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएँ की गईं।

(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।

उत्तर 6- (क) • जब ताजिए निकालने के लिए पीपल के तने को काटने पर यह कहा गया कि इससे 'हिंदू संस्कृति' को खतरा हो सकता है, और मस्जिद के सामने बाजा बजाने पर यह दावा किया गया कि 'मुस्लिम संस्कृति' संकट में पड़ सकती है, तब इस प्रकार मानव संस्कृति को विभाजित करने की कोशिशें की गईं।

(ख) • जब हिटलर के आक्रमण के कारण मानवता के अस्तित्व पर संकट आया, तो पूरी दुनिया ने मिलकर उसका विरोध किया। उस समय मानव संस्कृति ने अपनी एकता का परिचय दिया।

प्रश्न 7. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?

उत्तर क- मनुष्य अपनी बौद्धिक क्षमता के आधार पर नित नए आविष्कार करता है। यदि उसके आविष्कार समाज के भले के लिए होते हैं, तो उन्हें संस्कृति का हिस्सा माना जा सकता है। लेकिन यदि उसकी क्षमता ऐसी चीजों के निर्माण में लगती है जो उसके या समाज के आत्म-विनाश का कारण बनती हैं, तो इसे असंस्कृति कहा जा सकता है।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 8. लेखक ने अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की एक परिभाषा दी है। आप सभ्यता और संस्कृति के बारे में क्या सोचते हैं, लिखिए।

उत्तर 8- सभ्यता और संस्कृति दोनों ही समाज के विकास और सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण पहलू हैं, लेकिन इन दोनों के बीच कुछ अंतर भी है।

सभ्यता का तात्पर्य एक ऐसी स्थिति से है जहाँ एक समाज ने अपनी भौतिक, तकनीकी, और सामाजिक संरचनाओं को विकसित कर लिया है। यह समाज के भीतर एक व्यवस्थित और अनुशासित जीवन को दर्शाता है, जिसमें कानून, शासन, और

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

समाजिक व्यवस्था की व्यवस्था होती है। सभ्यता से यह आशय होता है कि समाज ने अपने जीवन को एक स्तर पर लाकर उसे सभ्य बनाने का प्रयास किया है। इसमें भौतिक साधन, कला, विज्ञान, भाषा, और प्रौद्योगिकी शामिल होते हैं।

संस्कृति, दूसरी ओर, समाज की मानसिक और आंतरिक धारा को दर्शाती है। यह समाज के विश्वास, मूल्य, परंपराएँ, रीति-रिवाज, धार्मिक विश्वास, कला, संगीत, नृत्य और जीवन जीने के तरीके से संबंधित है। संस्कृति एक समाज के मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को व्यक्त करती है और यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संचारित होती है। यह एक समाज के विचारों, आस्थाओं, और अनुभवों का संग्रह है जो उसे अपनी पहचान और अस्तित्व प्रदान करता है।

भदंत आनंद कौसल्यायन के दृष्टिकोण से, सभ्यता और संस्कृति दोनों का महत्व है, लेकिन सभ्यता बाह्य और भौतिक पक्ष को अधिक महत्व देती है, जबकि संस्कृति समाज की आंतरिक जीवनशैली और मूल्य प्रणाली को संजोए रखती है। सभ्यता समाज को बाहरी दृष्टि से संगठित करती है, जबकि संस्कृति समाज को आंतरिक रूप से जोड़कर उसकी पहचान बनाती है।

मेरे दृष्टिकोण से, सभ्यता और संस्कृति दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और समाज के विकास के लिए दोनों का संतुलित होना आवश्यक है। सभ्यता हमें बाहरी दुनिया के साथ सामंजस्य बिठाने की क्षमता देती है, जबकि संस्कृति हमें अपने मूल्यों, आस्थाओं और पहचान से जोड़कर हमारी आंतरिक समृद्धि को सुनिश्चित करती है।

भाषा- अध्ययन

प्रश्न 9. निम्नलिखित सामाजिक पदों का विग्रह करके समास का भेद भी लिखिए-

गलत-सलत आत्म-विनाश

महामानव पददलित

हिंदू-मुसलिम' यथोचित

ससर्षि सुलोचना

उत्तर 9- पद	विग्रह	समास
गलत-सलत	गलत + सलत	द्वंद्व समास
आत्म-विनाश	आत्मा + विनाश	द्विगु समास
महामानव	महा + मानव	द्विगु समास
पददलित	पद + दलित	तत्पुरुष समास
हिंदू-मुसलिम	हिंदू + मुसलिम	द्वंद्व समास
यथोचित	यथा + उचित	द्विगु समास
ससर्षि	सस + ऋषि	द्वंद्व समास
सुलोचना	सु + लोचना	द्विगु समास

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

प्राठेतर सक्रियता

- 'स्थूल भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार नहीं है।' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।

उत्तर: "स्थूल भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार नहीं है।" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करते समय, आप दो पक्षों को प्रस्तुत कर सकते हैं:

पक्ष 1: भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार है

- मुख्य तर्क: भौतिक कारण (जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी) ही आविष्कारों को संभव बनाते हैं। उदाहरण के तौर पर, टेलीफोन का आविष्कार ग्राहकों के बीच आवाज संचारण के लिए भौतिक विज्ञान पर आधारित था। भौतिक संरचनाओं और उपकरणों के माध्यम से ही नए आविष्कार संभव होते हैं।
- साक्षात्कार: आर्किमिडीज का सिद्धांत, न्यूटन का गति का नियम, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें — ये सभी भौतिक कारणों पर आधारित हैं।
- निष्कर्ष: आविष्कारों के लिए भौतिक कारण बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बिना उचित तकनीकी और भौतिक आधार के, किसी भी नई चीज का निर्माण संभव नहीं है।

पक्ष 2: भौतिक कारण ही आविष्कारों का आधार नहीं है

- मुख्य तर्क: केवल भौतिक कारणों से आविष्कार नहीं होते, बल्कि मानसिक स्थिति, सामाजिक, सांस्कृतिक और आंतरिक प्रेरणाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। उदाहरण के लिए, स्टीव जॉब्स और थॉमस एडिसन जैसे विचारक मानसिक दृष्टिकोण और समस्या सुलझाने की क्षमता से प्रेरित थे।
- साक्षात्कार: कई आविष्कारों के पीछे वैज्ञानिक सोच और विचारों की क्रांति छिपी होती है। इन आविष्कारों को समाज और मानवता की भलाई के लिए डिज़ाइन किया गया था, न कि केवल भौतिक रूप से लागू करने के लिए।
- निष्कर्ष: आविष्कारों का असली प्रेरणा स्रोत केवल भौतिक कारण नहीं होते, बल्कि मनुष्य के मानसिक दृष्टिकोण, सामाजिक प्रभाव, और नैतिक जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण होती है।

निर्णायक के लिए सुझाव:

- इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक को विचारशील तरीके से दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने और प्रत्येक के महत्व को समझने की आवश्यकता होगी।
- निर्णायक को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सिर्फ भौतिक दृष्टिकोण से आविष्कारों का मूल्यांकन न करें, बल्कि मानसिक और सांस्कृतिक योगदान को भी समझें।

- उन लोगों और आविष्कारों की सूची तैयार कीजिए जो आपकी नजर में बहुत महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर-

1. बिजली का बल्ब – थॉमस एडिसन द्वारा आविष्कृत, जिसने मानव जीवन को पूरी तरह से बदल दिया।

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

2. दूरसंचार (टेलीफोन) – अलेक्जेंडर ग्राहम बेल द्वारा आविष्कृत, जिसने दुनिया को आपस में जोड़ने का तरीका बदल दिया।
3. विमान (एरोप्लेन) – राइट बंधुओं द्वारा आविष्कृत, जिसने परिवहन के क्षेत्र में क्रांति ला दी।
4. इंटरनेट – कंप्यूटर नेटवर्किंग की प्रणाली जिसने सूचना और संचार को पूरी दुनिया में सुलभ बना दिया।
5. एंटीबायोटिक्स (पेनिसिलिन) – अलेक्जेंडर फ्लेमिंग द्वारा आविष्कृत, जिसने चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किया।
6. चिप्स (माइक्रोचिप) – जिसने इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की।

ये लोग और आविष्कार विश्व इतिहास में महत्वपूर्ण बदलाव लाए और हमारी जीवनशैली पर गहरा असर डाला।

पाठ 12: संस्कृति (भदंत आनंद कौसल्यायन) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न-

उत्तर

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: सभ्यता और संस्कृति में क्या अंतर है?

उत्तर: सभ्यता बाहरी विकास जैसे रहन-सहन से जुड़ी होती है, जबकि संस्कृति व्यक्ति की आंतरिक चेतना और प्रेरणा का प्रतीक होती है। भदंत आनंद कौसल्यायन भी संस्कृति को आत्मिक उन्नति से जोड़ते हैं।

प्रश्न 2: आग के आविष्कार को संस्कृति से कैसे जोड़ा जा सकता है?

उत्तर: आग के आविष्कार में व्यक्ति की जिज्ञासा और आविष्कारक प्रवृत्ति दिखाई देती है, जो संस्कृति की पहचान है। भदंत आनंद कौसल्यायन ऐसे आविष्कारों को संस्कृति की उपलब्धि मानते हैं।

प्रश्न 3: न्यूटन और आज के छात्रों की तुलना में संस्कृति का अंतर क्या है?

उत्तर: न्यूटन ने स्वयं ज्ञान प्राप्त किया, इसलिए वह संस्कृत व्यक्ति थे, जबकि आज के छात्र वही ज्ञान बिना प्रयास के पाते हैं। यही अंतर भदंत आनंद कौसल्यायन की दृष्टि में संस्कृति और सभ्यता को अलग करता है।

प्रश्न 4: संस्कृति का मुख्य आधार क्या है?

उत्तर: संस्कृति का आधार है व्यक्ति की आंतरिक प्रेरणा, जिज्ञासा और कल्याण की भावना। भदंत आनंद कौसल्यायन मानते हैं कि संस्कृति आत्मिक विकास की पहचान है।

प्रश्न 5: संस्कृत व्यक्ति और सभ्य व्यक्ति में क्या अंतर है?

उत्तर: संस्कृत व्यक्ति नई खोज करता है, जबकि सभ्य व्यक्ति उन खोजों का उपभोग करता है। भदंत आनंद कौसल्यायन इस भेद को मानव विकास का मूल मानते हैं।

प्रश्न 6: भौतिक प्रेरणा और संस्कृति का क्या संबंध है?

उत्तर: कई बार संस्कृति का आरंभ भौतिक आवश्यकताओं से होता है, परंतु इसका विस्तार आत्मिक चेतना से होता है। भदंत आनंद कौसल्यायन भी इसे संस्कृति का प्रारंभिक चरण मानते हैं।

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

प्रश्न 7: सुई-धागे के आविष्कार को संस्कृति से कैसे जोड़ा गया है?

उत्तर: यह आविष्कार मानव की रचनात्मकता और उपयोगिता से जुड़ा है, जो संस्कृति का प्रमाण है। भदंत आनंद कौसल्यायन ऐसे प्रयोगों को संस्कृति की नींव मानते हैं।

प्रश्न 8: संस्कृति और सभ्यता के बीच संबंध क्या है?

उत्तर: संस्कृति का परिणाम सभ्यता होती है। भदंत आनंद कौसल्यायन बताते हैं कि बिना संस्कृति के सभ्यता केवल दिखावा बनकर रह जाती है।

प्रश्न 9: संस्कृति का उद्देश्य क्या होना चाहिए?

उत्तर: संस्कृति का उद्देश्य मानव कल्याण और आत्मिक विकास होना चाहिए। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे जीवन की सार्थकता से जोड़ते हैं।

प्रश्न 10: लेनिन और कार्ल मार्क्स की क्रियाओं को संस्कृति से कैसे जोड़ा गया है?

उत्तर: उनके त्याग और मानवीय दृष्टिकोण को संस्कृति का रूप माना गया है। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे मानवता की सेवा से जोड़ते हैं।

प्रश्न 11: संस्कृति का मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है?

उत्तर: संस्कृति का मूल्यांकन उसकी कल्याणकारी भावना और स्थायित्व से होता है। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे सच्चे अर्थों में मानवता का प्रतीक मानते हैं।

प्रश्न 12: मानव का तारा देखने का अनुभव कैसे संस्कृति का उदाहरण है?

उत्तर: तारों को देखकर जिज्ञासा करना आत्मिक चेतना को दर्शाता है, जो संस्कृति की निशानी है। भदंत आनंद कौसल्यायन ऐसे चिंतन को संस्कृति का मूल मानते हैं।

प्रश्न 13: संस्कृति की पहचान किन गुणों से होती है?

उत्तर: जिज्ञासा, सृजनात्मकता और सेवा भावना संस्कृति के मुख्य गुण हैं। भदंत आनंद कौसल्यायन ने इन्हें ही संस्कृति की आत्मा कहा है।

प्रश्न 14: क्या हर सभ्य व्यक्ति संस्कृत भी होता है?

उत्तर: नहीं, संस्कृत होने के लिए आत्मिक और सृजनात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे दो अलग अवस्थाएँ मानते हैं।

प्रश्न 15: आधुनिक सभ्यता को संस्कृति क्यों नहीं कहा जा सकता?

उत्तर: क्योंकि इसमें आत्मिक चेतना और कल्याण की भावना की कमी है। भदंत आनंद कौसल्यायन ऐसे विकास को असंस्कृति मानते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: सभ्यता और संस्कृति के बीच भेद को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सभ्यता बाह्य व्यवहारों का रूप है जैसे खाना, पहनना, चलना आदि, जबकि संस्कृति आंतरिक चेतना और सृजन की प्रेरणा है। जैसे आग का आविष्कार संस्कृति का परिणाम है, पर उसे रसोई में उपयोग करना सभ्यता है। भदंत आनंद

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

कौसल्यायन ने स्पष्ट किया है कि संस्कृति के बिना सभ्यता खोखली होती है। सभ्यता संस्कृति की शाखा है, पर दोनों एक नहीं हैं।

प्रश्न 2: आधुनिक विज्ञान और संस्कृति के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: आधुनिक विज्ञान अनेक उपलब्धियाँ प्रदान करता है, पर यदि उनमें कल्याण की भावना नहीं हो, तो वे संस्कृति नहीं कहलाते। न्यूटन द्वारा गुरुत्वाकर्षण की खोज संस्कृति है, पर उस ज्ञान का केवल व्यावसायिक उपयोग सभ्यता है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने कहा कि विज्ञान जब मानवीयता से जुड़ता है तभी वह संस्कृति बनता है।

प्रश्न 3: आग और सुई-धागे के आविष्कार संस्कृति के प्रतीक कैसे हैं?

उत्तर: इन दोनों आविष्कारों में मानव की कल्पना, प्रयोगशीलता और समाधान खोजने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। यह प्रवृत्ति ही संस्कृति की पहचान है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने इन खोजों को संस्कृति की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव माना है। आविष्कार करने की प्रेरणा ही संस्कृति को जन्म देती है।

प्रश्न 4: एक संस्कृत व्यक्ति और उसकी संतानों में क्या अंतर होता है?

उत्तर: संस्कृत व्यक्ति अपनी चेतना और विचारों से नए तथ्यों की खोज करता है, जबकि उसकी संतान उसी ज्ञान का उपभोग करती है। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे ही संस्कृति और सभ्यता का अंतर मानते हैं। पहली पीढ़ी खोज करती है, दूसरी केवल उपयोग करती है।

प्रश्न 5: संस्कृति में आत्मिक चेतना का क्या महत्व है?

उत्तर: आत्मिक चेतना व्यक्ति को केवल भौतिक सुख से परे सोचने को प्रेरित करती है। वह सत्य, करुणा और कल्याण की ओर उन्मुख होता है। भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार ऐसी चेतना संस्कृति का सार है। केवल ज्ञान ही नहीं, भावनात्मक और नैतिक विकास भी जरूरी है।

प्रश्न 6: क्यों कहा गया है कि संस्कृति बिना कल्याण की भावना के असंस्कृति हो जाती है?

उत्तर: यदि संस्कृति केवल ज्ञान और शक्ति अर्जन तक सीमित रह जाए, परंतु उसमें मानव कल्याण का अभाव हो, तो वह विनाशक बन जाती है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने चेताया कि ऐसी संस्कृति असंस्कृति बन जाती है और सभ्यता को असभ्यता में बदल देती है।

प्रश्न 7: न्यूटन की खोज और आज के छात्रों की स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

उत्तर: न्यूटन ने अपनी बुद्धि और शोध से गुरुत्वाकर्षण की खोज की, जो संस्कृति का उदाहरण है। आज के छात्र उसका उपयोग करते हैं पर उन्होंने खुद उसे नहीं पाया, इसलिए वे केवल सभ्य कहे जा सकते हैं। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे संस्कृति और सभ्यता के फर्क से जोड़ते हैं।

प्रश्न 8: संस्कृति और सभ्यता के उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए।

उत्तर: संस्कृति वह प्रेरणा है जिससे कोई नई वस्तु उत्पन्न होती है, जैसे आग की खोज। सभ्यता उस वस्तु के प्रयोग की विधियाँ हैं, जैसे खाना पकाना। भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति जड़ नहीं, चेतन प्रक्रिया है, जबकि सभ्यता उसका फल है।

प्रश्न 9: संस्कृति के तत्व कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर: जिज्ञासा, नवाचार, आत्म-त्याग, कल्याण की भावना और मानवीय दृष्टिकोण संस्कृति के प्रमुख तत्व हैं। भदंत आनंद कौसल्यायन ने भी इन मूल्यों को संस्कृति की आत्मा बताया है। इन गुणों के बिना कोई भी उपलब्धि स्थायी नहीं होती।

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

प्रश्न 10: महापुरुषों की त्याग भावना संस्कृति का उदाहरण कैसे है?

उत्तर: जब लेनिन, मार्क्स, या बुद्ध जैसे लोग मानवता के लिए अपना सब कुछ त्यागते हैं, तो वह संस्कृति का सर्वोत्तम रूप होता है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने बताया कि ऐसी प्रेरणा केवल आत्मिक दृष्टि से ही संभव होती है।

प्रश्न 11: संस्कृति की सुरक्षा के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर: संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए हमें उसमें निहित कल्याण भावना और चेतना को बनाए रखना होगा। भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार, परिवर्तनशील दुनिया में भी मूल्य स्थायी रहते हैं और उन्हें संजोकर ही संस्कृति सुरक्षित रह सकती है।

प्रश्न 12: संस्कृति का सामाजिक जीवन में क्या योगदान होता है?

उत्तर: संस्कृति समाज को नैतिकता, सेवा और सद्भाव सिखाती है। यह केवल रीति-रिवाज नहीं, बल्कि जीवन जीने की दृष्टि देती है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने भी संस्कृति को समाज की आत्मा बताया है।

प्रश्न 13: क्या आत्म-विनाश के साधनों को संस्कृति माना जा सकता है?

उत्तर: नहीं, जो साधन मानव का विनाश करें, वे संस्कृति नहीं कहे जा सकते। भदंत आनंद कौसल्यायन इसे असंस्कृति कहते हैं और चेतावनी देते हैं कि बिना कल्याण की भावना संस्कृति केवल विनाश का कारण बन जाती है।

प्रश्न 14: संस्कृति का विकास कैसे होता है?

उत्तर: संस्कृति तब विकसित होती है जब व्यक्ति अपने भीतर की चेतना से प्रेरित होकर मानवता के लिए कुछ रचता है। भदंत आनंद कौसल्यायन ने इसे एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया माना है, जो सद्भावना से जुड़ी होती है।

प्रश्न 15: संस्कृति को स्थायी क्यों कहा गया है?

उत्तर: संस्कृति का आधार मानवीय मूल्यों पर होता है जो समय के साथ और मजबूत होते हैं। भदंत आनंद कौसल्यायन ने इसे स्थायी इसलिए माना क्योंकि यह आत्मिक विकास और कल्याण की भावना पर आधारित होती है, जो कभी समाप्त नहीं होती।

रिक्त स्थान भरिए

1. संस्कृति व्यक्ति की _____ चेतना का प्रतीक होती है।
उत्तर: आंतरिक
2. भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति का मूल उद्देश्य _____ होता है।
उत्तर: मानव कल्याण
3. सभ्यता बाहरी रूप से जुड़ी होती है, जबकि संस्कृति _____ से।
उत्तर: आत्मा या चेतना
4. आग और सुई-धागे जैसे आविष्कारों को भदंत आनंद कौसल्यायन ने _____ का रूप माना है।
उत्तर: संस्कृति
5. जो व्यक्ति नई खोज करता है, वह _____ कहलाता है।
उत्तर: संस्कृत

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

6. भदंत आनंद कौसल्यायन ने चेतावनी दी कि बिना कल्याण की भावना के संस्कृति _____ में बदल जाती है।
उत्तर: असंस्कृति
7. संस्कृति का आरंभ भले ही भौतिक आवश्यकताओं से हो, लेकिन उसका विस्तार _____ चेतना से होता है।
उत्तर: आत्मिक
8. न्यूटन जैसे वैज्ञानिकों की खोज को भदंत आनंद कौसल्यायन ने _____ का परिणाम बताया।
उत्तर: संस्कृति
9. संस्कृति और सभ्यता में अंतर को समझना _____ विकास के लिए आवश्यक है।
उत्तर: नैतिक
10. भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति केवल ज्ञान नहीं, बल्कि _____ भी है।
उत्तर: संवेदना / भाव

MCQs (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. भदंत आनंद कौसल्यायन संस्कृति को किससे जोड़ते हैं?
A. तकनीकी प्रगति
B. आर्थिक विकास
C. आत्मिक चेतना और कल्याण
D. बाहरी चमक-दमक
उत्तर: C. आत्मिक चेतना और कल्याण
2. संस्कृति का मुख्य गुण क्या है?
A. आरामदायक जीवन
B. नई खोज की प्रेरणा
C. धन कमाने की क्षमता
D. मशीनों का उपयोग
उत्तर: B. नई खोज की प्रेरणा
3. भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति बिना कल्याण भावना के क्या बन जाती है?
A. सभ्यता
B. तकनीक
C. असंस्कृति
D. आदत
उत्तर: C. असंस्कृति
4. सभ्यता किस प्रकार का विकास दर्शाती है?
A. आंतरिक
B. बौद्धिक

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

C. बाह्य

D. नैतिक

उत्तर: C. बाह्य

5. सुई-धागे का आविष्कार किसका प्रतीक है?

A. तकनीकी क्रांति

B. सभ्यता

C. संस्कृति

D. विज्ञान

उत्तर: C. संस्कृति

6. न्यूटन की खोज को भदंत आनंद कौसल्यायन ने क्या कहा?

A. वैज्ञानिक प्रयोग

B. सभ्य क्रिया

C. संस्कृति की अभिव्यक्ति

D. सामान्य ज्ञान

उत्तर: C. संस्कृति की अभिव्यक्ति

7. संस्कृति का मूल्यांकन किससे होता है?

A. उसकी तकनीकी प्रगति से

B. उसके उत्पादों से

C. उसकी कल्याणकारी भावना से

D. उसकी आर्थिक शक्ति से

उत्तर: C. उसकी कल्याणकारी भावना से

8. संस्कृति किस प्रकार की प्रेरणा से उत्पन्न होती है?

A. आर्थिक

B. शारीरिक

C. आत्मिक

D. सामाजिक

उत्तर: C. आत्मिक

9. कौन-सा कथन भदंत आनंद कौसल्यायन की दृष्टि में सत्य है?

A. सभ्यता ही संस्कृति है।

B. संस्कृति केवल ज्ञान अर्जन है।

C. संस्कृति आत्मिक विकास है।

D. संस्कृति स्थायी नहीं होती।

उत्तर: C. संस्कृति आत्मिक विकास है।

10. संस्कृति और सभ्यता में अंतर समझना क्यों आवश्यक है?

A. परीक्षा में पास होने के लिए

B. समाज को नियंत्रित करने के लिए

Ncert Solutions of पाठ 12 Sanskriti (भदंत आनंद कौसल्यायन)

C. मानवता के विकास हेतु

D. विज्ञान सीखने के लिए

उत्तर: C. मानवता के विकास हेतु